Notes

Mon Tue Wed Thu Fri Sat Sun

8- बुद्धि की संरचना या गिलफोर्ड का सिद्धान्त-

जे० पी० गिलफोर्ड तथा उसके सहयोगियों ने बुद्धि का त्रिविमीय प्रारूप प्रस्तुत किया इसे संरचना प्रतिमान भी कहते हैं। इस प्रतिमान के तीन आयाम हैं।

A - बुद्धि की विषय वस्तु
B - संक्रियाएं
C - उत्पाद

इस प्रतिमान के तीनों आयामों को निम्न प्रकार से प्रस्तुत किया गया है।

A-विषय-वस्तु -

विषय-वस्तु से तात्पर्य उस सामग्री से है। जिसके आधार पर मानसिक प्रक्रियाएं की जाती हैं। गिलफोर्ड ने विषय-वस्तु से सम्बन्धित सूचनाओं को चार भागों में विभक्त किया है।-

i - आकृतिक -

इसमें वह मूर्त सामग्री आती है जिसका अनुभव इन्द्रियों द्वारा किया जा सकता है। दृश्य सामग्री में रूप, आकार तथा रंग जैसे गुण विद्यमान रहते हैं।

ii - सांकेतिक - इस सामग्री में वर्ण, अक्षर, अंक तथा अन्य परम्परागत चिन्ह आते हैं।

iii - शाब्दिक - इसमें शब्दों, वाक्यों अथवा विचारों आदि का अर्थ करना होता है।

iv - व्यावहारिक - व्यावहारिक विषय वस्तु व्यक्तियों के बाह्य व आन्तरिक व्यवहार से सम्बन्धित होती है।

Anoop

Notes

B- संक्रिया - यह मानसिक कार्यों को करने में निहित संक्रिया है। इसको पाँच भागो में बाटा जाता है।

i- संज्ञान - संज्ञान के अन्तर्गत सूचनाओं की खोज करना, उनका पुनः अन्वेषण करना तथा प्रत्यभिज्ञान करना आता है। यह सीखने की सबसे महत्वपूर्ण संक्रिया है।

ii- स्मृति - स्मृति सीखे गए ज्ञान को धारण करना है।

iii- परम्परागत चिन्तन - परम्परागत चिन्तन परम्परागत ढंग से विचार करना है।

iv- गैर-परम्परागत चिन्तन - गैर-परम्परागत चिंतन नवीन ढंग से सोचने का ढंग है जो सृजनशीलता को भी इंगित करता है।

v- मूल्यांकन - मूल्यांकन उपलब्ध सूचनाओ के आधार पर निर्णय लेने व निष्कर्ष पर पहुचने की क्रिया है।

C- परिणामों या उत्पादों

यह भिन्न-भिन्न प्रकार की विषयवस्तुओ के साथ विभिन्न मानसिक संक्रियाओ के करने के फलस्वरूप प्राप्त होते है। उत्पादों या परिणामों को गिलफोर्ड ने छः प्रकारो में बाँटा है।

i- इकाइयाँ - इस श्रेणी में अधिकांश सार्थक तथा छोटी सूचनाएँ आती है। जैसे - शब्दो के अर्थ

ii- वर्ग - विचारो तथा शब्दो आदि को उनके गुणो के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है। जैसे - मेज + कुर्सी + बेंच + स्टूल = फर्नीचर

iii- सम्बन्ध - प्रत्ययीकरण द्वारा वस्तुओ के बीच आकार अथवा सांकेतिक गुणों के आधार पर

सम्बन्धों को समझते हैं।

iv- प्रणालियाँ - सम्बन्धों के संश्लेषण संगठन तथा वर्गीकरण द्वारा वस्तुओं तथा सांकेतिक तत्वों की संरचना करते हैं।

v- रूपान्तरण - विषय वस्तु पर मानसिक क्रियाएँ करते समय प्राप्त अनुभवों के आधार पर विषय सामग्री के स्वरूप में कुछ परिवर्तन करना।

vi- निहितार्थ - घटित परिणामों का निष्कर्ष निकालना तथा उनका दूसरी परिस्थितियों में उपयोग करना।

गिलफोर्ड ने बुद्धि के इन तीनों विभागों को निम्न चित्र के माध्यम से व्यक्त किया है।

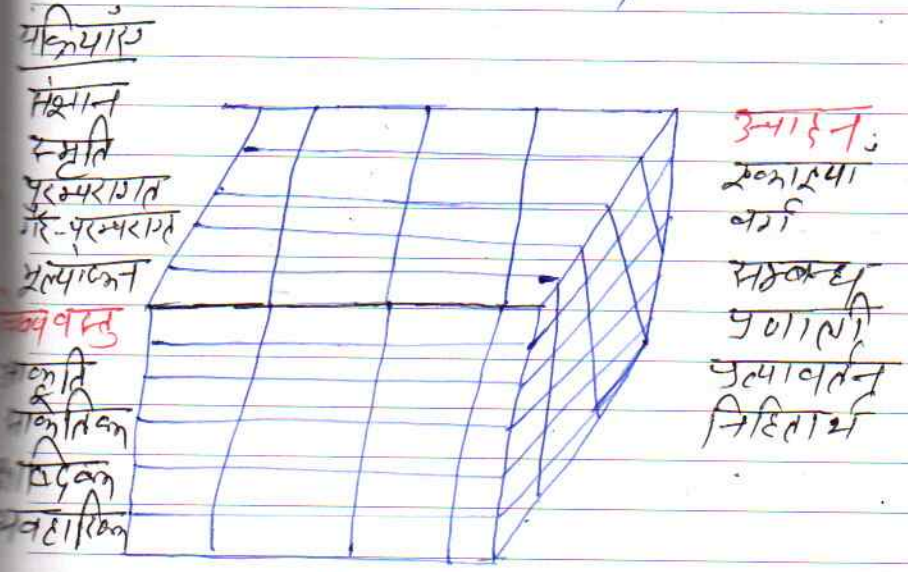

बुद्धि की संरचना

Anoop

Notes

Mon Tue Wed Thu Fri Sat Sun

मानसिक क्रियाओं में निहित उपरोक्त वर्णित चार प्रकार की सामग्री, पाँच प्रकार की सक्रियायें तथा छः प्रकार के उत्पादों के आधार पर गिलफोर्ड ने कहा कि कुल 120 (4×5×6 = 120) भिन्न-2 प्रकार की मानसिक योग्यताएँ हो सकती हैं जो 120 भिन्न-2 प्रकार के कार्यों में संलग्न होती हैं।

परन्तु कालान्तर में किये गये शोध कार्यों के परिणामों के आधार पर गिलफोर्ड ने अपने माडल में सुधार करते हुये सामग्री को चार के स्थान पर पाँच भागों दृश्विक, श्रवणिक, सांकेतिक, शाब्दिक तथा व्यवहारपरक में विभक्त किया इस प्रकार संशोधित तीन स्वतन्त्र विमा निदर्श में 5×5×6 = 150 हो गये। ये 150 बौद्धिक संघटक परस्पर एक दूसरे से स्वतन्त्र रहते हुये क्रियाशील रहते हैं। इस अन्तिम रूपान्तरित माडल निम्न चित्र में दर्शाया गया है जो अगले पन्ने पर है।

Anoop

बुद्धि की संरचना का नवीनतम चित्र

... मेमोरियल महाविद्यालय
... शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान